पावर सिस्टम कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड

केन्द्रीय कार्यालय, मानव संसाधन विभाग

सन्दर्भ संख्या : के.का./पोसोको/2014/हिन्दी कार्यशाला **दिनांक 08 दिसंबर 2014**

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत

पोसोको कार्यालय मे दिनांक 05.12.2014 को प्रात: 11.30 बजे हिन्दी कार्यशाला का आयोजन पोसोको के भूतल स्थित सम्मेलन कक्ष में किया गया जिसमे पोसोको कार्यालय के 15 कार्मिकों ने बडे उत्साह से भाग लिया ।(कार्यशाला में भाग लेने वाले कामिकों की सूची सलग्न है)

1.0 "राजभाषा हिन्दी में कार्य करना आसान है, शुरू तो करें" विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन करने के लिये मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पोसोको) से 01 दिसंबर 2014 को अनुमोदन प्राप्त किया गया और इसमें व्याख्यान देने के लिये पावरग्रिड केन्द्रीय कार्यालय राजभाषा विभाग से श्रीमति नीलम शर्मा, सहायक महाप्रबंधक(राजभाषा) को आमंत्रित किया गया ।

2.0 नोडल अधिकारी(राजभाषा) ने सर्वप्रथम बाह्य संकाय के तौर पर आमंत्रित श्रीमति नीलम शर्मा, मुख्य प्रबन्धक (मानव संसाधन) और सभी कार्मिकों का हिन्दी कार्यशाला में पधारने पर हार्दिक अभिनन्दन किया और मुख्य प्रबन्धक ने पुष्प गुच्छ व दुशाला देकर श्रीमति नीलम शर्मा को सम्मानित किया और राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के लिए सभी कार्मिकों को प्रोत्साहित किया |

3.0 श्रीमति नीलम शर्मा ने हिन्दी कार्यशाला आरंभ होने से पूर्व पोसोको कार्यालय के राजभाषा कार्यों का निरीक्षण किया और पोसोको कार्यालय मे राजभाषा हिन्दी में किए जा रहे नवीन कार्यों की दिल खोल कर प्रशंसा की और इसे निरीक्षण समिति के रजिस्टर में दर्ज भी किया (कापी सलग्न है)

4.0 राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के लिए सभी कार्मिकों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होने कहा कि राजभाषा हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने से इस क्षेत्र में जंहा नवीनता आएगी वंही इस क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर भी उपलब्ध होंगे |

का-नि.

5.0 राजभाषा हिन्दी को आगे बढाने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है | सरकारी काम काज में किसी भी भाषा के आसान शब्द को कलम के सहारे कागज पर ले आना ही हिन्दी को बढ़ावा देने के समान है |

6.0 राजभाषा हिन्दी में कार्य करते हुए किसी भी भाषा के शब्दों को इस्तेमाल करने में संकोच न करते हुए कार्य करने का शुभारंभ करना चाहिए |

7.0 राजभाषा हिन्दी हमारी मातृ भाषा है और हमें सिर्फ इच्छा शक्ति को दृड करके कार्यालय में राजभाषा हिन्दी में कार्य करने की आवश्यकता है |

8.0 श्रीमति शर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि कार्यालीन काम करते हुए कार्मिक गलतियों के बारे में ज्यादा न सोचते हुए कार्य करें, गलतियाँ धीरे धीरे अपने आप खत्म हो जाएंगी और राजभाषा हिन्दी में कार्य करने में पारंगता आती जाएगी |

9.0 अंत में मुख्य प्रबन्धक(राजभाषा) ने श्रीमति शर्मा को अपना व्याख्यान पोसोको कार्यालय में आकर देने हेतु धन्यवाद दिया और उनके सुझावों पर अमल करने का आश्वासन भी दिया |

10.0 अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

(अनिल मेहता)

कार्यपालक सचिव(मा.सं)

मुख्य प्रबंधक (~~मानव संसाधन~~) 11/12/14

कार्यपालक निदेशक (रा.भा.प्रे.के.) 12-12-14

मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) 12/12/14

हिंदी कार्यशाला दिनांक 05.12.2014 के लिये नामित अधिकारियों/कार्मिकों की सूची

			हस्ताक्षर
1.	ज्योति प्रसाद	सहायक महा प्रबन्धक	ज्योति प्रसाद
2.	आर के मालिक	सहायक महा प्रबन्धक	[illegible]
3.	अशोक मारवाह	मुख्य प्रबन्धक	[illegible]
4.	अनामिका शर्मा	उप प्रबन्धक	अनामिका
5.	प्रीति चतुर्वेदी	कंपनी सचिव	प्रीति चतुर्वेदी
6.	अनुषा बरुआ	वरिष्ठ अभियंता	अनुषा बरुआ
7.	राधिका तोमर	वरिष्ठ लेखाधिकारी	[illegible]
8.	बिंदिया जैन	वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी	बिंदिया
9.	अनिल मेहता	कार्यपालक सचिव	[illegible]
10.	सुरेश कोहली	जन संपर्क अधिकारी	[illegible]
11.	झूमा दास	अभियंता	[illegible]
12.	प्रज्ञा सिंह	विधि अधिकारी	प्रज्ञा
13.	जयंतिका सिंह	विधि अधिकारी	जयन्तिका
14.	अबीहा जैदी	विधि अधिकारी	अबीहा जैदी
15.	शिल्पी कुमारी	प्रयवेक्षक	शिल्पी

संबंधित कार्य नीलम शर्मा महाप्रबंधक	**टिप्पणी**

कार्यालय कार्य का निरीक्षण किया गया। नियमों की अनुपालना हेतु किए गए प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। कार्यालय प्रमुख श्री सुशील कुमार सोनी जी का निर्देशन अनुकरणीय है। श्री अनिल कुमार मेहता जी द्वारा दी गई प्रेजेंटेशन उत्कृष्ट कोटि की है। उनके प्रयास सराहनीय है।

राजभाषा कार्यान्वयन में मा.सं. विभाग की भूमिका अत्यंत अहम है अतः इस विभाग के साथ एक कैडर के हिन्दी अधिकारी की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है।

2. देखा गया है कि हिन्दी में काम करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहन स्वरूप दी जाने वाली राशि नगण्य है जो न भारत सरकार की नीति से मेल खाती है और न ही पारम्परिक-परंपरा के भी अनुकूल नहीं है।

3. तकनीकी विभागों में हिन्दी में काम की मात्रा आंकड़ों के अनुरूप और बढ़ाई जाए। इस पर कार्यालय प्रमुख स्तर पर निर्देश जारी कर कार्यान्वयन समिति में रिपोर्ट रखी जाए व तदानुसार अनुपालना सुनिश्चित की जाए।

4. तकनीकी नोटशीट मूलस्वरूप में हिन्दी में बनाई जाएं।